Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh

Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSHI BHIMSHI CHHADVA -DHARMIK SHIKSHAN BOARD

Website : jainshikshan.org E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

११ ओगस्ट २०१९ – जैन शाळा - प्रश्न पेपर – गुण – १०० समय : २ से ५

Certificate Course Level 2

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न १) Mark the correct one. **(१०)**

अ) न फासियं ....

१) पाळ्युं न होय (२) स्पर्श्युं ना होय (३) कीर्तन कर्युं न होय

ब) न किट्टियं ....

१) कीर्तन कर्युं न होय (२) पार उतार्युं न होय (३) शुद्धता पूर्वक कर्युं न होय

क) मकखय ....

१) अरुज – रोग रहित (२) अनंत – अंत रहित (३) अक्षय - क्षय रहित

ड) मोयगाणं ....

१) बीजाने कर्मबंधनथी मुक्त करावनार (२) बीजाने संसार सागरथी तारनारा

३) पोते कर्मोथी मुक्त थयेला

इ) धम्म देसयाणं ....

१) धर्मना शुध्ध स्वरुपनो उपदेश आपनारा (२) चारित्र धर्मनुं दान देनारा

३) धर्म-संघ अने तीर्थना नायक

ई) न करेमि .....

१) बीजा पासे पाप करावुं नहि (२) हुं स्वयं पाप करु नहि (३) आत्म साक्षीओ निंदा करुं छुं

उ) निम्मलययरा .....

१) चंद्रमाओथी पण (२) सूर्योथी पण अधिक (३) विशेष निर्मल

ऊ) कित्तिय .....

१) वाणीथी स्तुति करायेला (२) मस्तकथी वंदित (३) (मनथी) भावथी पूजित

ए) सियल .....

१) श्री श्रेयांसनाथ (२) श्री शीतलनाथ (३) श्री विमलनाथ

ऐ) मोणेणं .....

१) बीजाने जोईश नहि (२) मारा आत्माने (कायाने) पापथी (३) वचन द्वारा मौन रहीने

प्रश्न २) Complete the following. (२५)

१) उस्सुतो, ...,....., ...,

....., ...,अणायारो

२) मण दुककडाओ .....,....., ...,

....., ...,लोहाओ

३) वच्चामेलियं, ...,....., ...,

....., ...,घोसहीणं

४) थापणमोसो .....,....., ...,

....., ...,पच्चखाण

५) पांचमु अणुव्रत.....,....., ...,

....., ...,हिरण्ण सुवण्णनुं

प्रश्न ३) मनना, वचनना अने कायाना दोषमांथी कयो दोष छे ते लखो (१०)

१) वैयावृत दोष .....

२) लाभ वांच्छा दोष (लाभार्थ) .....

३) संक्षेप दोष .....

४) सहसाकार दोष .....

५) गर्व दोष .....

६) चल द्रष्टि दोष .....

७) रोष दोष .....

८) मोडन दोष .....

९) हास्य दोष .....

१०) आलस्य दोष .....

प्रश्न ४) साचा जवाब लखो **(१५)**

१) आलोचना सूत्र अेटले ..... (उत्तरी करणेणं सूत्र, इरियावहियं सूत्र)

२) सामायिकना त्रीजा पाठमां ..... विराधना छे (३, १०)

३) .....ने नाक नथी (बेइन्द्रिय, तेइन्द्रिय)

४) डोलफिन ने.....इन्द्रिय छे (४, ५)

५) शल्य अेटले कांटो । जेनाथी ..... मले (दुःख), (सुख)

६) ..... अेटले पाप (पावाणं, कम्माणं)

७) ..... अेटले वाणीथी स्तुति करवी (कित्तिय, महिया)

८) लोगस्सनो पाठ ..... छे. (शाखत, अशाश्वत)

९) ..... बधा द्रव्य, क्षेत्र, काळ अने भावने प्रकाशित करे छे (सूर्य, तिर्थकर)

१०) ..... अेटले प्रकार, मर्यादा (करण, कोटि)

११) अेक मुहूर्त अेटले ..... मिनिट (४८, २४)

१२) ..... थी सिध्य भगवाननी स्तुति कराय छे । (नमोत्थुणं सुत्र, गुरु वंदन सुत्र)

१३) अतिचार अेटले ..... (व्रतभंग माटे तैयार थवुं, लीधेला व्रतने तोडवानी इच्छा करवी)

१४) सामायिकना..... अतिचार छे (४, ५)

१५) शल्य..... छे (३, ४)

प्रश्न ५) True of False **(20)**

१) छत्री लईने साधु-साध्वीजी पासे जवाय । .....

२) साधु-साध्वीजी कर्मबंधनने तोडवानो उपदेश आपे छे । .....

३) अभिगम छ छे । .....

४) उपाश्रयमां वातो कराय अने मित्रो साथे रमाय । .....

५) आत्मा जाडो नथी अने पातळो नथी । .....

६) मौन राखीने अभ्यास करवाथी ज्ञान घटे छे । .....

७) हुं नंदीषेण मुनि जेवी सेवा करीश । .....

८) आत्माने स्वाद छे । .....

९) भगवान कहे छे के आत्मा मारो नथी । .....

१०) जन्म लेवानो आत्मानो स्वभाव छे । .....

११) मोक्षमां कोई ज प्रकारनुं दुःख नथी । .....

१२) दुःख कायम टके । .....

१३) दरेक समये धर्म ज शरणु आपे छे । .....

१४) हुं आनंद श्रावकनी जेम १३ व्रत कयारे पाळीश ? .....

१५) आत्माने सुगंध छे । .....

१६) गुरुनो विनय करवाथी ज्ञान घटे छे .....

१७) आत्मा नाशवंत छे (अमर नथी) .....

१८) शरीर कायम टके छे .....

१९) तिर्थंकरो रागद्रेषथी रहित छे, तेथी तेओ कोई उपर प्रसन्न थता नथी .....

२०) हुं महावीर जेवो श्रध्धावान कयारे बनीश ? .....

प्रश्न ६) Match the following **(5)**

१) भगवान पार्श्वनाथ	चंपापुरी नगरी
२) चंदनबाला	३ज्ञान
३) भगवान महावीर	प्रथम साध्वी
४) कमठ	कौशंबी नगरी
५) दधिवाहन	मेधमाळी

प्रश्न ७) Who said to Whom ! **(5)**

१) तमे आ शुं करो छो ? आ तमारी घुणीमां लाकडुं नाख्यु छे, तेमां नाग जली रहयो छे.

२) तुं आ शुं करे छे ? आ त्रण लोकना नाथने कष्ट आपीने शा माटे कर्मोथी भारे बनी रहयो छे ?

३) आने आपणी दीकरी गणीने राखजे । आपणे तेने चंदनबाळा कहीने बोलावीशुं ।

४) हुं बहु दुःखी छुं नानपणमां मारा माता-पितानु मृत्यु थयुं छे ।

५) तमारी सेवा खरेखर अद्‌भुत अने अनन्य छे ।

प्रश्न ८) Complete the Poem **(10)**

१) आंधी आवे तुफान आवे ..... तुं मारुं निशान छे.

२) मारा जीवननी नौका केरुं ..... परवश मारा प्राण छे.

३) मने विद्या देनारा ..... में याद नथी राख्युं

४) देह मळयो छे भव तरवाने ..... फरवा जईशुं तो द्वार तमारे.

५) सिद्ध परमात्मा मोक्षमां बिराजे ..... पाळे पळावे आचार.